संत सम्मेलन • ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शांतिवन में अखिल भारतीय भगवद्गीता महासम्मेलन का भव्य आयोजन

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने किया शुभारंभ

शांतिवन-आबू रोड। 'वर्तमान नाजुक समय के लिए गीता के भगवान की श्रीमत' विषय पर आयोजित पाँच दिवसीय महासम्मेलन का शुभारंभ करने के पश्चात् इस अवसर पर देशभर से आए संत-महात्माओं, महामण्डलेश्वरों को सम्बोधित करते हुए केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि भारत का धर्म ही आध्यात्मिकता है। हमारी सभ्यता और संस्कृति आत्मा से परिभाषित होती है न कि वेशभूषा, रंग और धार्मिक पूजा-पाठ की विधियों से। संतों के साथ बैठने से अनासक्ति पैदा होती है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा वैदिक काल से है। बाकी अन्य धर्म कोई 2500 वर्ष, 1500 वर्ष और 1200 वर्ष पूर्व ही आए हैं, लेकिन हमारी सनातन संस्कृति सबसे प्राचीन है।

राज्यपाल ने यह भी कहा-

कल्याण ही सभी वेदों-शास्त्रों का एक सार

गीता में कहा गया है कि जहां योगेश्वर कृष्ण होंगे, योगेश्वर कृष्ण अर्थात् जहां ज्ञान, प्रज्ञा होगी वहां आत्मसुख हासिल होगा। गीता में कहा गया है और सभी वेदों का सार यही है कि हमें जीवन में ज्ञान प्राप्त करना चाहिए और दूसरों के साथ बांटना चाहिए ताकि उनका भी कल्याण हो। ऐसे ही ज्ञान को बांटने का कार्य ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोगी भाई-बहनें बखूबी कर रहे हैं।

अनेकता में एकता लाने का कर रहे प्रयास

राज्यपाल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोगी भाई-बहनें दुनियाभर में अनेकता में एकता लाने का प्रयास कर रहे हैं। ये जिस समर्पण भाव से विश्व सेवा में जुटे हैं वह सराहनीय है। इतनी बड़ी संस्था का संचालन हमारी बहनों, मातृशक्तियों द्वारा किया जा रहा है, जो नारी शक्ति की महिमा बताता है। संस्थान के अति. महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन भाई ने बताया कि भगवान कहते हैं सृष्टि के अंत में मैं ऐसा यज्ञ रचना हूँ जिसमें देवी-देवता बनने की शिक्षा दी जाती है। भगवान ने गीता में कहा है कि जिसके कर्म ब्रह्मा के समान अर्थात् ब्रह्मचर्य का पालन करने वाला, ब्रह्म को जानने वाला हो, वही सच्चा ब्राह्मण है। यह ब्रह्माकुमारीज़ का ज्ञान यज्ञ स्वयं परमपिता परमात्मा द्वारा स्थापित अविनाशी रूद्र गीता ज्ञान यज्ञ ही है। धार्मिक प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. मनोरमा दीदी ने स्वागत सम्बोधन दिया। प्रभाग की उपाध्यक्षा ब्र.कु. गोदावरी दीदी ने सभी अतिथियों का सम्मान किया। मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. रामनाथ भाई ने सभी का आभार ज्ञापित किया। **इस दौरान 'गीता में वर्णित युद्ध हिंसक नहीं अहिंसक' विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत करने वाले सुरेश डांगी को ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से राज्यपाल ने एक लाख रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया।**

महासम्मेलन में देशभर से आए संत-महात्माओं का चंदन की माला, शॉल और गुलदस्ते से स्वागत किया गया। मधुरवाणी ग्रुप ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मुंबई से ब्र.कु. अस्मिता बहन, अहमदाबाद की डॉ. ब्र.कु. दामिनी बहन, ब्र.कु. युगरतन भाई, ब्र.कु. अर्चना बहन आदि ने मधुर आध्यात्मिक गीत प्रस्तुत कर समां बांध दिया। इस दौरान यदा-यदा ही धर्मस्य ग्लानि.... पर सुंदर नाट्य प्रस्तुति दी गई।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्था विश्वभर में लोगों को सात्विकता अपनाने की दे रही है शिक्षाः डॉ. रामविलास दास

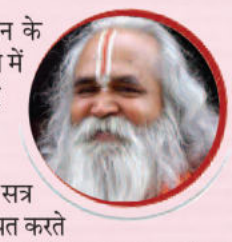

महासम्मेलन के दौरान 'गीता में वर्णित युद्ध अहिंसक' विषय पर आयोजित सत्र को सम्बोधित करते हुए अयोध्या से आए राम मंदिर आंदोलन से जुड़े व रामजन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ. रामविलास दास वेदांती ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ ने शुद्ध सात्विक बनाने का कार्य न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में किया है। यहां से लोगों को शुद्ध सात्विक भोजन ग्रहण करने और जीवन में सात्विकता अपनाने की शिक्षा दी जा रही है। इस संस्था ने पूरे विश्व में जो कार्य किया है वह किसी और ने नहीं किया है।

इस मौके पर कर्नाटक से आईं गीता विदुषी राजयोगिनी ब्र.कु. वीणा बहन, मुंबई की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. कुंती बहन, दिल्ली की ब्र.कु. सपना बहन आदि ने भी अपने विचार रखे।

10 कुमारियां विश्व कल्याण हेतु शिव को हुईं समर्पित

विश्व शांति सरोवर में 5000 लोग इस ऐतिहासिक पल के बने साक्षी

नागपुर-महा.। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के जामठा स्थित विश्व शांति सरोवर में आयोजित कार्यक्रम में 10 कुमारियों ने अपना जीवन विश्व कल्याण के लिए परमात्मा शिव को अर्पित करने का निर्णय लिया। इस अवसर पर माउण्ट आबू से आईं ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी ने समर्पित होने वाली कुमारियों को समर्पित जीवन का महत्व तथा ज़िम्मेदारियों से अवगत कराते हुए कहा कि वफादार बनकर रहना है, ईमानदारी से चलना है। अपने हर संकल्प, बोल और आंतरिक ऊर्जा को ईश्वरीय सेवाओं में सफल करना है। उन्होंने कहा कि इस समर्पित जीवन में सदा खुश, सदा संतुष्ट रहना है। सबको दुआएं देनी हैं और लेनी हैं। उन्होंने समर्पित जीवन के मूल मंत्र से अवगत कराते हुए समर्पित जीवन का दृढ़ता से पालन कर ईश्वरीय मर्यादाओं पर चलने के लिए प्रतिज्ञायें कराई। नागपुर की संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. रजनी दीदी ने शब्दों द्वारा सभी का स्वागत किया। मौके पर माउण्ट आबू से आये ब्र.कु. देव भाई, ब्र.कु. प्रकाश भाई व अन्य भाई-बहनों सहित गुजरात अहमदाबाद से ब्र.कु. नेहा बहन, ब्र.कु. शालिनी बहन, मुम्बई से डॉ. प्रवीण कुमार जैन, डॉ. मीता मेहता तथा विशेष रूप से शिवकिशन अग्रवाल व प्रो. हल्दीराम भुजियावाला सपरिवार उपस्थित रहे। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ।

ये हैं वे भाग्यशाली कुमारियां

नागपुर से ब्र.कु. हर्षाली बहन, ब्र.कु. गायत्री बहन, ब्र.कु. त्रिवेणी बहन, ब्र.कु. आशा बहन, ब्र.कु. करिश्मा बहन, ब्र.कु. गायत्री बहन, ब्र.कु. अंकिता बहन, गोंदिया से ब्र.कु. सुनीता बहन, वर्धा से ब्र.कु. तृप्ति बहन तथा वरठी से ब्र.कु. हेमा बहन ने परमपिता शिव परमात्मा को अपने जीवनसाथी के रूप में स्वीकार किया।

'खेलेगा भारत तो खिलेगा भारत' अखिल भारतीय अभियान का शुभारंभ

नई दिल्ली। आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 'खेलेगा भारत तो खिलेगा भारत' विषय को लेकर ब्रह्माकुमारीज़ के खेल प्रभाग द्वारा रोहिणी स्थित सेवेन सीज़ होटल सभागार में अखिल भारतीय अभियान का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा दिये जा रहे आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग की शिक्षा से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। इसे खिलाड़ियों को ज़रूर अपनाना चाहिए।

> "खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने एवं उनकी योग्यताओं का सम्मान करने हेतु पूरे वर्ष देश भर में चलेगा यह अभियान

> "कार्यक्रम में अर्जुन अवॉर्ड तथा अन्य खेल खिताब जीतने वाले अनेकों खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

के अध्यक्ष डॉ. बसवराज राजऋषि ने कहा कि परमात्मा द्वारा सिखाये जा रहे गीता ज्ञान व सहज राजयोग के नियमित अभ्यास से ही खिलाड़ियों में ऊँचे लक्ष्य को प्राप्त करने की हिम्मत, हौसला और योग्यताएं विकसित होंगी। आधार है उनका उत्तम स्वास्थ्य, मनोबल और आत्मबल। संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. शशि प्रभा दीदी, मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. करुणा भाई, हैदराबाद से स्पोर्ट्स विंग की वाइस

खेल उप निदेशक संजय अंबस्ता ने कहा कि खिलाड़ियों को जी-तोड़ मेहनत के साथ ही सभी ब्रह्माकुमारी बहनों का आशीर्वाद चाहिए जो ये सिखाती हैं कि किस तरह हम परमात्मा के साथ से अपनी हर मुश्किल को बहुत छोटा कर सकते हैं। खेल प्रभाग पार्लियामेंट्री कमेटी के अध्यक्ष तथा सांसद डॉ. अमर पटनायक ने कहा कि आध्यात्मिकता, खेल में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाती है। जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी बहन ने कहा कि खिलाड़ियों को अपने क्षेत्र में सफलता के शिखर पर पहुंचाने का चेयरपर्सन ब्र.कु. कुलदीप बहन, संस्थान के सिक्योरिटी सर्विस विंग की वाइस चेयरपर्सन ब्र.कु. शुक्ला दीदी ने भी अपने विचार रखे। मौके पर अंतर्राष्ट्रीय रेफरी एवं न्यायाधीश (मुक्केबाजी) ब्रिगेडियर विक्रम सिंह तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 3rd,Oct 2022
स्वामी - राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा डी.बी. कॉर्प.लि. भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस,शिवदासपुरा, टोंक रोड,जयपुर से मुद्रित एवं ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org